हैलो दोस्तो

आज मै भी तुम से अपनी एक कहानी बाटंना चाहता हूँ। बात तब की है जब मै यूनिवर्सिटी मे पढता था । मेरे साथ सुमन नाम की एक बेहद सैक्सी लडकी पढती थी। मै और वह एक ही बस मे हर रोज साथ ही जाते थे और वापिस भी साथ ही आते थे। परन्तु उन दिनो मे बहुत शर्मिला होता था तथा लडकियो से बात करना भी मेरे बस की बात नही होती थी। परन्तु सुमन ने धीरे धीरे मुझे बोल्ड बना दिया। बस मे आते जाते वो जानबूझ कर ऐसी ही बाते करती । सैक्स के बारे मे पूछती। कभी जानबूझ कर मेरे लण्ड को दबा देती तो कभी अपनी चुचियों को मेरे बदन से रगड देती । फिर एक बार जब हम तीन दिनो के लिए टूर पर मंसूरी गए तो वहा उसने मुझे खुल कर कहा की वो मेरे लण्ड का स्वाद चखना चाहती है। हम सब एक होटल मे रूके थे। रात मे उसने मुझे अपने कमरे मे बुला लिया । कमरे मे उसकी रूम पार्टनर उसकी अपनी बहन संगीता थी, उसको उसने पहले से ही बता दिया था और उसको भी कोई एतराज नही था, आखिर चूत तो सुमन की ही थी वो जैसे चाहे इसका प्रयोग करे। रात मे जब मै उसके होटल के कमरे मे पहुचा तो कमरे मे अंधेरा था । मैने सुमन को आवाज दी तो वो पीछे से आयी और मुझे एकदम से बेड पर गिरा दिया और मुझ पर लगातार चुम्बनो की बौछार कर दी। फिर मैने भी उसके नरम नरम होंठो पर चुम्बन लेना शुरू कर दिया । उसके हाथो ने धीरे धीरे मेरे लण्ड को सहलाना शुरू कर दिया। फिर

© 2008, www.antarvasna.com

मैने धीरे से उसके नीले सूट का नाडा खोल दिया तथा सलवार उतार दी और उसकी नरम नरम चूत के पहले दर्शन किए । फिर उसने भी मेरे पेंट उतारने मे देरी नहीं लगाई तथा मेरे लण्ड को लालीपोप की तरह चूसने लगी। वो लण्ड को इस तरह चूस नहीं थी जैसे की वो लण्ड चूसने मे पूरी तरह एक्सपर्ट हो। फिर मेने उसकी काले रंग की ब्रा तथा लाल रंग की पेंटी को उतार दिया तथा चुपचाप उसकी नीले सलवार का नाडा भी निकाल दिया ताकि वो जल्दी से सलवार ना पहन सके और मै उसको आसानी से चोद सकूं। ब्रा के उतारते ही उसकी नरम सफेद चुचिया बाहर आयी और अपने होठो मे कसकर उनको चूसना शुरू कर दिया । बीच बीच मे सुमन भी मेरे लण्ड को चूसने का मजा ले रही थी। हमे पता भी नहीं था कि उसकी बहन संगीता हमारी यह हरकत देख रही है क्योकि सुमन ने उसका बोला था कि जब तक मै अपनी गांड मरवाती हूँ तुम दूसरे कमरे मे चली जाना । फिर सुमन को लण्ड चूसते हुए देख कर उसकी छोटी बहन जिसकी उम्र करीब १७ साल की थी , हमारे ही बेड पर आ गई तथा बोली की मुझे कुछ कुछ हो रहा है। तब सुमन हंस कर बोली कि तेरी चुत अभी तैयार नहीं है तो वो बोली कि मै तुम से ज्यादा देर तक इनका लंड अपनी चूत मे रख सकती हु। तो सुमन बोली कि ठीक है पहले मै अपने चूत तथा गांड मरवा लु उसके बाद तुम भी अपनी चूत की प्यास बुझा लेना । इतना कहकर सुमन ने मुझे अपने उपर लिटा तथा अपनी बहन गीतू से बोली कि आज मै तुझे जन्नत के दर्शन करवाती हू। मैने भी पूरी ताकत से अपना लंड सुमन की गांड मे डाल दिया

© 2008, www.antarvasna.com

परन्तु यह क्या बडी बडी बाते बनाने वाली सुमन पहला झटका ही सहन न कर सकी तथ दर्द से कराह उठी। यह देखा कर गीतू बोली कि बस सुमन अभी से यह हालत है आगे क्या होगा। इस बीच गीतू मुझे जीजू कह कर पुकारने लगी थी। वो बोली सुमन अभी तो जीजू ने पूरा लंड भी अन्दर नहीं डाला । यह सुन कर सुमन मै और ज्यादा जोश आ गया तथा उसने लण्ड को दोबारा अपने हाथो से चूत मे डाला तथा गीतू से बोली कि अब नजारा देखाना। फिर तो उसने एक बार भी उफ नहीं की तथा बार बार मेरे लण्ड को अपने चूतड उठा उठा कर अन्दर बाहर करने लगी । अब मेरे लण्ड ने भी विकराल रूप धारण कर लिया था तथा सुमन की चूत के अन्दर बाहर हो रहा था। थोडी देर बाद सुमन को मैने अपने उपर लिटा लिया तथा अब वो मुझे चोदने लगी। इसी बीच गीतू भी पूरी तरह निहाल गयी तथा उसने अपने कपडे उतारने शुरू कर दिये तथा अपने सलवार का नाडा मेरे हाथ मे दे दिया और बोली जीजू मेरे चूत को सिर्फ आप ही देखोगे । मैने झट से गीतू का नाडा खीचं दिया । अब मुझे एक साथ दो चूतो का नजारा मिल रहा था और वो भी बिल्कुल मुफत। अब गीतु ने अपने चुचिया मेरे मुह मे डाल दी तथा मै उन्हे चूसने लगा। इधर सुमन लगातार मेरे लंड से अपनी चूत मरवा रही थी । तभी गीतू बोली कि सुमन थोडा लंड का स्वाद मुझे भी लेने दे। पर सुमन तो सुमन थी लंड छोडने का नाम ही नहीं ले रही थी । काफी देर बाद सुमन की चुत ने पानी छोडना शुरू कर दिया तथा मेरे लंड से भी वीर्य बाहर आने लगा था। जिसे मैने गीतू के मुह मे डाल दिया और वो मजे से मेर लंड को चूसने लगी।

© 2008, www.antarvasna.com

थोडी देर बाद मेरा लंड फिर से खडा हो गया । तो गीतू बोली कि अब मेरी बारी है तब सुमन हसं दी और कहा कि ला मै अपने हाथो से तेरी चूत की प्यास बुझाती हू। फिर सुमन ने गीतू की चूत मे मेरा लंड डाल दिया परन्तु गीतू बोली कि मे तो नीचे से गांड मरवाना चाहती हू। उसमे ज्यादा मजा आता है। इतना सुन कर सुमन थोडा से तेल लेकर आयी तथा पहले को मेरे लंड पर तेल मला, उसके बाद गीतू की गांड के अन्दर तेल डाल दिया ताकि ज्यादा तकलीफ ना हो । परन्तु जैसा ही मेने अपना लंड डाला ,गीतू को जरा भी दर्द नही हुआ। और वो तो चुतड उठा कर बोली की मेरे प्यारे जीजा जी अब चोद भी डालो अपनी प्यारी साली को। यह सुनकर सुमन बोली कि तू अभी से जीजू कयो कह रही है तो गीतू बोली कि इतना बडे लंड का स्वामी दूसरा नही मिलेगा । अगर तू इनसे शादी नही करेगी तो मै कर लूंगी । तो सुमन हंस कर बोली कि फिर तो मै इनसे तुम्हारे सामने ही तुम्हारे ही बिस्तर पर रात मे गांड मरवाया करूंगी । इसी बीच बातो बातो मे कब मेरे लंड ने विकराल रूप धारण कर लिया पता ही नही चला और अब तो गीतू दर्द के मारे कराहने लगी पर लंड छोडने का नाम ही नही ले रही थी। मै भी पूरी ताकत से अपना लंड उसकी गांड मे डालकर उसे चोदे जा रहा था । काफी देर गीतू को चोदने के बाद हम दोनो ही झड गए तथा आराम करने लगे। इसी बीच सुमन ने दोबारा से मेरा लंड मुहँ मे लेकर चूसना शुरू कर दिया तथा जब लंड खडा हो गया तब वो बोली कि वो भी पीछे से ही गांड मरवाना चाहती है जैसे कि गीतू ने मरवाई है तब गीतू ने खुद ही सुमन को उल्टा किया

© 2008, www.antarvasna.com

उसके चूतडो मे तेल लगाया तथा फिर दो तीन बार मेरा लंड चूस कर उसकी गांड मे डाल दिया । अब मै सुमन की गांड मार रहा था उधर सुमन गीतू की चूत को चूस रही थी । काफी देर बाद जब मै और सुमन झडने लगे तभी गीतू बोली की जीजा जी, मेरे प्यारे जीजा जी अपना सारा रस मेरे मुँह मे डाल दो और फिर बिना देर किए लंड को खीचं कर अपने मुह मे डाल लिया । इसी तरह हमारी चुदाइ खत्म हुइ। तथा मैने एक साथ दोनो बहनो को चोदा।

दोस्तो अगर कहानी पसन्द आई हो ***अगर कोई लडकी मुझ से बाते करना चाहती है*** तो मुझे ई-मेल करे । relation.good@gmail.com

© 2008, www.antarvasna.com